VIDYA BHAWAN BALIKA VIDYA PITH

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय बिहार

class 12 commerce Sub. BST. Date 6.6.2020

Teacher name – Ajay Kumar Sharma

ORGANISING

Question 3:

Do you think planning can work in a changing environment?

ANSWER:

No, planning may not work right in a changing environment. Business environment is dynamic in nature and changes continuously. For example, political conditions, social conditions, consumer tastes and preferences, government rules and regulations change continuously. Planning cannot foresee such changes and may prove futile. That is, due to uncertainty of future, planning may remain ineffective. For example, suppose a garment manufacturing company plans to increase the production of silk shirts. But over a period of time, the market demand shifts towards cotton shirts. Thus, in this case the previous plans of the company fail and it must modify its plans to cater to the change in demand. Similarly, if the government announces a reduction in the interest rates for consumer durables, the demand for such products increases. The plans of an organisation may not foresee such changes and may prove ineffective. The production and sales plan of the organisation must change as per the changing market demand. Likewise, with an entry of a competitor in the market a company needs to alter the previous plans so as to face the competition in a better manner. नहीं, बदलते परिवेश में नियोजन सही काम नहीं कर सकता है। व्यावसायिक वातावरण प्रकृति में गतिशील है और लगातार बदलता रहता है। उदाहरण के लिए, राजनीतिक स्थितियां, सामाजिक परिस्थितियां, उपभोक्ता स्वाद और प्राथमिकताएं, सरकारी नियम और कानून लगातार बदलते रहते हैं। नियोजन ऐसे परिवर्तनों को दूर नहीं कर सकता और निरर्थक साबित हो सकता है। यही है, भविष्य की अनिश्चितता के कारण, योजना अप्रभावी रह सकती है। उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि एक कपड़ा विनिर्माण कंपनी रेशम शर्ट के उत्पादन को बढ़ाने की योजना बना रही है। लेकिन समय के साथ, बाजार की मांग सूती शर्ट की ओर बढ़ गई। इस प्रकार, इस मामले में कंपनी की पिछली योजना विफल हो जाती है और उसे मांग में परिवर्तन को पूरा करने के लिए अपनी योजनाओं को संशोधित करना चाहिए। इसी तरह, अगर सरकार उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के लिए ब्याज दरों में कमी की घोषणा करती है, तो ऐसे उत्पादों की मांग बढ़ जाती है। किसी संगठन की योजनाएं इस तरह के बदलावों की उम्मीद नहीं कर सकती हैं और अप्रभावी साबित हो सकती हैं। संगठन की उत्पादन और बिक्री योजना

को बाजार की बदलती मांग के अनुसार बदलना होगा। इसी तरह, बाजार में एक प्रतियोगी के प्रवेश के साथ एक कंपनी को पिछली योजनाओं को बदलना होगा ताकि प्रतिस्पर्धा का सामना बेहतर तरीके से किया जा सके।

Question 4:

If planning involves working out details for the future, why does it not ensure success?

ANSWER:

It is true that planning is a forward looking function and is based on analysing and predicting the future elements. However, future involves uncertainity and cannot be predicted. There are various external forces that affect the functioning of an organisation. These forces are complex and ever changing in nature. For example, social trends, political conditions, technology, government rules and regulations change continuously. Due to such uncertainties, one cannot be sure of the success rate of the plans rather, the plans need to be modified to adapt to the changing environment. For example, suppose due to entry of a competitor, the demand for the products of a company reduces. While planning out production the company could not foresee such a change. Thus, the previous plans of the company fail and it must formulate new plans keeping in view the change in demand. Similarly, suppose the government announces a relaxation in the rules for foreign investment, as a result of which competition in the market increases. The sales and manufacturing plans of the domestic companies might fail in the face of the increased competition. Thus, it can be said that despite the fact that planning involves working out details for the future, it does not ensure success. यह सच है कि नियोजन एक आगे की ओर देखने वाला कार्य है और यह भविष्य के तत्वों के विश्लेषण और पूर्वानुमान पर आधारित है। हालाँकि, भविष्य में अनिश्चितता शामिल है और इसकी भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है। विभिन्न बाहरी ताकतें हैं जो एक संगठन के कामकाज को प्रभावित करती हैं। ये शक्तियाँ जटिल हैं और प्रकृति में कभी भी बदल रही हैं। उदाहरण के लिए, सामाजिक रुझान, राजनीतिक स्थितियां, तकनीक, सरकारी नियम और कानून लगातार बदलते रहते हैं। इस तरह की अनिश्चितताओं के कारण, किसी को योजनाओं की सफलता दर के बारे में सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है, बदलते पर्यावरण के अनुकूल योजनाओं को संशोधित करने की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, मान लें कि एक प्रतियोगी के प्रवेश के कारण, किसी कंपनी के उत्पादों की मांग कम हो जाती है। उत्पादन की योजना बनाते समय कंपनी इस तरह के बदलाव की उम्मीद नहीं कर सकती थी। इस प्रकार, कंपनी की पिछली योजनाएं विफल हो जाती हैं और उसे मांग में बदलाव को ध्यान में रखते हुए नई योजनाओं को तैयार करना चाहिए। इसी तरह, मान लीजिए कि सरकार विदेशी निवेश के नियमों में छूट की घोषणा करती है, जिसके परिणामस्वरूप बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ जाती है। घरेलू कंपनियों की बिक्री और विनिर्माण योजना बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण विफल हो सकती है। इस प्रकार, यह

कहा जा सकता है कि इस तथ्य के बावजूद कि नियोजन में भविष्य के लिए विवरण तैयार करना शामिल है, यह सफलता सुनिश्चित नहीं करता है।